भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का परिवीक्षा अधिकारियों द्वारा मुलाकात के अवसर पर संबोधन

राष्ट्रपति भवन : 13.02.2025

प्रिय परिवीक्षा अधिकारियो,

आज आप सबसे मिलकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आपके कठिन परिश्रम, क्षमता और दृढ़ संकल्प के साथ इन प्रतिष्ठित सेवाओं में आपके चयनित होकर आए हैं।

आप सभी को अपने कार्य क्षेत्र के माध्यम से राष्ट्र के विकास और समृद्धि में सीधे योगदान करने का अवसर प्राप्त हुआ है, चाहे वह सार्वजनिक वित्त का प्रबंधन करना हो अथवा देश में निर्बाध संपर्क और संचार सुनिश्चित करना हो। जैसे-जैसे भारत नवाचार और डिजिटल आयामों को साथ लेकर चलते हुए सतत और समावेशी विकास की ओर बढ़ रहा है, ऐसे समय में उन जैसे युवा सिविल सेवकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

भारतीय सिविल लेखा सेवा, भारतीय डाक और दूरसंचार (वित्त और लेखा) सेवा और भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (लेखा) के प्रिय परिवीक्षा अधिकारियो,

एक मजबूत सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली सुशासन की नींव होती है। आप जिन सेवाओं से हैं, उन सेवाओं की एक सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन प्रणाली सुनिश्चित करने की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसलिए आपकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, और यह आवश्यक है कि आप यह जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाएं और इस उद्देश्य के लिए उन्नत कौशल अर्जित करें। पूरी दुनिया में, देश और संस्थान सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना

प्रणाली विकसित कर रहे हैं, साथ ही लेखांकन, लेखा परीक्षा और बजट के लिए वैश्विक मानक भी स्थापित कर रहे हैं। आप सब के लिए यह आवश्यक है कि इन क्षेत्रों की सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय पद्धतियों की लगातार जानकारी रखें। तेजी से बदलती तकनीक के साथ तालमेल बिठाकर कार्य करना भी एक चुनौती है। आपको लेखांकन और भुगतान प्रणाली को निर्बाध और प्रभावी बनाने के लिए उपाय करने हैं।

आप ऐसे समय में सेवा में शामिल हुए हैं जब देश डिजिटल परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। सरकार की प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली, ई-बिल और डिजिटल ऑडिट प्रमुख पहलों से शासन प्रणाली को और अधिक प्रभावी वनाया है। इन पहलों से डिजिटल रूप से समावेशी वित्तीय इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का पता चलता है। आपकी भूमिका वित्तीय संसाधनों के अधिकतम उपयोग करने से कहीं अधिक है; आप सबको नीतियों के पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण करना है और वित्तीय प्रबंधन प्रणालियों सहित शासन प्रणालियों को बेहतर बनाने के लिए जानकारी देना है।

भारतीय डाक सेवा के प्रिय परिवीक्षा अधिकारियो,

देश का विशाल डाक नेटवर्क देशवासियों, समाज और राष्ट्र को एक सूत्र में बांधता है। पहले लोग पत्र लिखते और पोस्ट करते थे, तथा डाक सेवाओं के माध्यम से पार्सल और मनीऑर्डर भेजते थे। भारतीय डाक विभाग ग्रामीण और शहरी ग्राहकों के बीच संपर्क सुनिश्चित करता था। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि डाक विभाग ने सेवा प्रणाली को और अधिक कुशल और सुविधाजनक बनाने के लिए नई तकनीकों को अपनाया है। मैं वित्तीय समावेशन के लिए विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित जनता के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के कार्यों की प्रशंसा करती हूँ।

आप सबको एक अनूठा अवसर मिला है कि डाक विभाग और सेवाओं को अधिक ग्राहक-केंद्रित, अभिनव, डिजिटल, समावेशी और अनुकूल बनाएं। आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि डाक नेटवर्क हमारे जैसे विशाल और विविधता भरे देश को जोड़ने वाले एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में कार्य करना जारी रखे। आपको यह

स्मरण रखना है कि आप बेहतर संपर्क और वित्तीय समावेशन के माध्यम से नागरिकों, विशेष रूप से वंचित लोगों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

प्रिय युवा अधिकारियो,

लोगों की सेवा क्षेत्र में अधिक गति और दक्षता के साथ-साथ पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की अपेक्षाएं लगातार बढ़ रही हैं। इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, सरकारी विभागों के लिए जरुरी है कि वे उभरती प्रौद्योगिकियों का सर्वोत्तम उपयोग करके अपने सिस्टम को आधुनिक और डिजिटल बनाएं। ऐसी प्रौद्योगिकियों में मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉकचेन तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शामिल हैं। आप स्वयं को उन्नत प्रौद्योगिकियों और कौशल से अवगत रहने और अधिक से अधिक नागरिक-केंद्रित, कुशल और पारदर्शी शासन प्रणाली बनाने के लिए प्रयासरत रहना है।

मुझे विश्वास है कि आप न केवल अपना व्यक्तिगत करियर उत्कृष्ट बनाने के लिए कार्य करेंगे, बल्कि भारत के लोगों को प्रभावी रूप से सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने में योगदान देंगे। मैं राष्ट्र निर्माण में आप सबके योगदान की सफलता की कामना करती हूँ।

धन्यवाद!
जय हिंद!
जय भारत!